



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8]
No. 8]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 5, 1975 (आषाढ़ 14, 1897)
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 5, 1975 (ASADHA 14, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate page is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग I—खण्ड 3

PART I—SECTION 3

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं
Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued
by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1975

सं० 13, दिनांक 27 मई 1975—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में स्थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना स्कंधों के भर्ती के लिए सघ लोक सेवा आयोग द्वारा परीक्षा के लिए नियत स्थानों तथा तारीखों का उल्लेख सघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की जाने वाली सूचना में होगा। कोर्स की संख्या तथा अकादमी में उसके प्रारम्भ होने का महीना तथा परीक्षा के परिणाम पर प्रवेश के लिए अनुमानित रिक्त स्थानों की संख्या आयोग द्वारा जारी की गई सूचना में दी जाएगी।

2 सघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई लिखित परीक्षा तथा सेना सलैक्शन बोर्ड द्वारा लिए गए इन्टरव्यू के परिणामों के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश दिया जाएगा।

3 उम्मीदवारों की यदि एक से अधिक सेवा के लिए प्रतियोगिता में बैठना हो तो उन्हें आवेदन-पत्र में प्राथमिकता क्रम देना चाहिए। आवेदन-पत्र में उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र देते समय तरजीह देनी चाहिए और उसके लिए समुचित विचार किया जाएगा किन्तु सरकार को यह अधिकार है कि वह रिक्त स्थानों की उपलब्धता तथा उम्मीदवार की अभिरुचि के अनुसार उसके लिए कोई भी सेवा या उसकी कोई श्राव नियत कर सकती है।

टिप्पणी 1 भारतीय नौसेना के नौ सैनिकों (जिसमें भारतीय नौ सेना के बाय तथा आर्टीफिसर अप्रेंटिस भी शामिल हैं) को नौसेना के लिए अपनी प्रथम तरजीह देनी चाहिए।

टिप्पणी 2 ऐसे उम्मीदवारों से जिन्होंने भारतीय नौसेना परीक्षा में विशेष प्रवेश कैंडिडेट के रूप में भारतीय संयुक्त रक्षा सेवाओं में प्रवेश के लिए आवेदन किया हो, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी कोर्स में प्रवेश पाने से पूर्व अपना अन्तिम विकल्प देना चाहिए। अकादमी में प्रवेश के उपरान्त उन्हें नौसेना में विशेष प्रवेश के प्रश्न पर विचार नहीं किया जाएगा। अकादमी में प्रवेश पाने के बाद उन्हें किसी इन्टरव्यू या परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4 उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष और निम्नलिखित में से एक होना चाहिए।

- (क) भारत का नागरिक या
- (ख) सिक्किम की प्रजा या
- (ग) भूटान की प्रजा या
- (घ) नेपाल की प्रजा या
- (ङ) मूल रूप में भारतीय हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका के केनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तंजानिया और जजीबार) देशों से आया हो।

ऊपर की (घ) तथा (ङ) कोटियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों के मामले में जोकि नेपाल के गोरखा नागरिक हो, परीक्षा में बैठने के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र की आवश्यकता नहीं है।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो और जिसे इस शर्त के साथ अस्थायी रूप से अकादमी में भर्ती किया जाए कि उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

टिप्पणी—विधुर या ऐसा व्यक्ति जिसने अपनी पत्नी को तलाक दे दिया हो, उपर्युक्त नियम के प्रयोजन के लिए अविवाहित पुरुष नहीं माना जाएगा।

5. निर्धारित शारीरिक योग्यता स्तर के अनुसार उम्मीदवारों को शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। शारीरिक योग्यता का मानक अधिसूचना के परिशिष्ट II में दिया गया है।

परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से काफी उम्मीदवार बाद में डाक्टरी जाच के आधार पर अस्वीकार कर दिए जाते हैं अतः में निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने हित में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र देने से पूर्व डाक्टरी जाच करवा लें।

सेना सेलेक्शन बोर्ड द्वारा सिफारिश किए गए काफी योग्य उम्मीदवार सेना डाक्टरी बोर्ड द्वारा डाक्टरी जाच किए जाने के लिए भेजे जाते हैं। ऐसे उम्मीदवारों को, जिसे चिकित्सा बोर्ड योग्य घोषित नहीं करेगा, अकादमी में प्रवेश नहीं किया जाएगा। सेना डाक्टरी बोर्ड द्वारा डाक्टरी जाच हो जाने से यह अर्थ नहीं होगा कि उम्मीदवारों को अंतिम रूप से चुन लिया गया है। चिकित्सा-बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है तथा उस किसी को प्रगट नहीं किया जा सकता। उम्मीदवारों को उनके अयोग्य-अस्थायी रूप से अयोग्य होने का परिणाम तथा उनके द्वारा अयोग्यता-प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में अवगत कराया जाता है। चिकित्सा-बोर्ड के परिणाम के सम्बन्ध में चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष को भेजी गई किसी भी याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। स्थल सेना के लिए उम्मीदवारों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि यदि उनकी दृष्टि निर्धारित स्तर तक की न हो तो उन्हें जब सेना सेलेक्शन-बोर्ड के एन्टरव्यू/डाक्टरी जाच के लिए बुलाया जाए, तब वे अपने चश्मे साथ लायें।

6 उम्मीदवारों को यह वचन देना होगा कि जब तक उनका प्रशिक्षण पूर्ण नहीं होता तब तक वे शादी नहीं करेंगे यदि कोई उम्मीदवार आवेदन-पत्र देने की तारीख के बाद शादी करे तो वह इसमें या इसके उपरान्त की परीक्षाओं में सफल होने के बाद भी प्रशिक्षण के लिए नहीं चुना जाएगा। यदि कोई उम्मीदवार प्रशिक्षण के दौरान विवाह कर ले तो उसे सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा तथा सरकार ने जो भी उसके उपर व्यय किया हो उसमें वसूल किया जा सकेगा।

7 परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की आयु 16 वर्ष तक की हो जानी चाहिए तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी कोर्स के आरम्भ होने के महीने के प्रथम दिन 18-1/2 वर्ष की नहीं होनी चाहिए।

निर्धारित आयु सीमा किसी भी मामले में नहीं बढ़ाई जाएगी

8 उम्मीदवार ने निम्नलिखित में से एक परीक्षा अवश्य उत्तीर्ण की हो

- (1) राज्य शिक्षा बोर्ड की हायर सैकेण्डरी परीक्षा या किसी ऐसे विश्वविद्यालय की ऐसी परीक्षा जो भारत के या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम से नियमित किया गया हो और किसी अन्य शिक्षा संस्थान की परीक्षा जो समद के अधिनियम से संस्थापित किया गया हो अथवा जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत विश्व-विद्यालय माने जाने की घोषणा की जा चुकी हो।
- (2) किसी विश्वविद्यालय की प्रि-यूनिवर्सिटी परीक्षा जिसे किसी विश्वविद्यालय को भारत के या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम से नियमित किया गया हो और अन्य किसी शिक्षा संस्थान की परीक्षा जो समद के अधिनियम से संस्थापित की गई हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय माने जाने की घोषणा की जा चुकी हो।
- (3) इण्डियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा।
- (4) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी की हायर सैकेण्डरी परीक्षा।
- (5) किसी मान्यताप्राप्त शिक्षा बोर्ड या विश्वविद्यालय के इन्टरमिडिएट कोर्स के प्रथम वर्ष की परीक्षा जिसे किसी विश्वविद्यालय जो भारत के या किसी राज्य विधान मण्डल के अधिनियम से नियमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थान जो समद के अधिनियम से संस्थापित किया गया हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत विश्वविद्यालय माने जाने की घोषणा की जा चुकी हो।
- (6) राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज डिप्लोमा परीक्षा।
- (7) कार्पोरल के रैंक में पदोन्नति के लिए शिक्षा निदेशालय वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय वायु सेना शैक्षिक परीक्षा।
- (8) दिल्ली विश्वविद्यालय की अहंक विज्ञान परीक्षा।
- (9) बाएअ ट्रेनिंग स्टेब्लिशमेंट, विशाखापट्टनम् द्वारा आयोजित दीक्षान्त (भारतीय नौसेना) परीक्षा।
- (10) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नयी दिल्ली, द्वारा आयोजित "मध्यमा" परीक्षा।
- (11) तंजानिया सरकार की परीक्षा परिषद् द्वारा आयोजित नेशनल फार्म IV परीक्षा।

टिप्पणी I—कोई उम्मीदवार जो किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसके उत्तीर्ण करने पर वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने का हकदार हो जाए किन्तु उसका परिणाम घोषित नहीं किया गया है वह परीक्षा दे सकता है यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठ रहा है तो वह भी आवेदन-पत्र दे सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा यदि वह अन्यथा पात्र होंगे किन्तु उनका प्रवेश अस्थायी होगा इस तरह के उम्मीदवारों की उम्मीदवारी को, यदि वे यथासंभव शीघ्र और किसी भी स्थिति में इस संबंध में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित तारीख तक, परीक्षा पास कर लेने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करते, तो रद्द कर दिया जाएगा।

टिप्पणी II—विशेष मामलों में संघ लोक सेवा आयोग किसी उम्मीदवार को जिसके पास इस नियम में निर्धारित की गई शैक्षणिक योग्यता न हो तथा वह मानक योग्यता रखता हो जोकि आयोग की राय में परीक्षा में प्रवेश करने योग्य है तो संघ लोक सेवा आयोग उसे योग्य बना सकता है।

9. जिन उम्मीदवारों को रक्षा मंत्रालय ने रक्षा सेवाओं में किसी भी तरह का कमीशन धारण करने से वजित कर दिया है वे परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे और यदि उन्हें प्रवेश दे दिया जाता है तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. जिन उम्मीदवारों को पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी कोर्स में प्रवेश दिया गया था किन्तु उन्हें अफसर योग्य गुणों के न होने के कारण या अनुशासनिक कार्यवाही के कारण हटा दिया गया हो उन्हें अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों ने स्वास्थ्य ठीक न होने पर या अपनी स्वेच्छा से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को छोड़ दिया हो वे अकादमी में भर्ती के पात्र होंगे बशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तों को पूरा करते हों।

11. उम्मीदवार की पात्रता के सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

12. किसी भी ऐसे उम्मीदवार के विरुद्ध जिसे आयोग ने :—

- (1) किन्हीं भी साधनों से अपनी उम्मीदवारों के लिए सहायता प्राप्त करने, अथवा
- (2) पररूपधारण करने, अथवा
- (3) किसी व्यक्ति द्वारा अपना रूप धारण करवाने, अथवा
- (4) जाली या हेर-फेर किये हुए दस्तावेज प्रस्तुत करने, अथवा
- (5) गलत या झूठा बयान देने या महत्वपूर्ण सूचना छुपा लेने, अथवा
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाने, अथवा

(7) परीक्षा-भवन में अनुचित साधन अपनाने, अथवा

(8) परीक्षा-भवन में अभद्र व्यवहार करने, अथवा

(9) उपर्युक्त कार्यों में से सभी या कोई भी कार्य करने की यथास्थिति, कोषिण करने या उसके किए जाने में प्रोत्साहन देने का दोषी घोषित किया है, आपराधिक मुकदमा चलाये जाने के साथ-साथ, निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है :—

(क) आयोग उसे उस परीक्षा से अर्नह कर सकता है जिसके लिए कि वह उम्मीदवार, है अथवा

(ख) उसे—

(i) आयोग, अपने द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा या प्रवरण से,

(ii) केन्द्रीय सरकार अपने अधीन किसी भी नौकरी से स्थायीरूप से या किसी निदिष्ट अवधि के लिए वंचित कर सकता/सकती है, और

(ग) यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में है तो उसके विरुद्ध, उपर्युक्त नियमों के अधीन, अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

13. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं हो।

14. आयोग द्वारा अधिसूचना के परिशिष्ट 1 में दी गई पद्धति के अनुसार परीक्षा ली जाएगी।

15. आयोग की सूचना के अनुलग्नक 1 में निर्धारित शुल्क को उम्मीदवारों को अवश्य अदा करना चाहिए।

16. लोक सेवा आयोग स्वविवेक से उम्मीदवारों की सूची बनायेगा जिन्होंने लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित निम्नतम अंक प्राप्त कर लिए हैं। ऐसे उम्मीदवार सेना सेलैक्शन बोर्ड के समक्ष बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षा के लिए प्रस्तुत होंगे जिसमें उम्मीदवारों को उनके अफसरों योग्य गुणों के लिए सेना/नौ सेना के लिए निर्धारित किया जाएगा तथा जो वायु सेना के लिए हैं उनमें पायलट के लिए रुचि तथा अफसर योग्य गुणों के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। इन परीक्षाओं के अधिकतम अंक 900 हैं।

आयोग के स्वविवेक से निर्धारित उम्मीदवारों की सेना/नौ सेना के लिए निम्नतम अर्हक अंक (1) लिखित परीक्षा में तथा (2) अफसर योग्य गुणों की परीक्षा में प्राप्त करने चाहिए तथा वायु सेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा में (2) अफसर योग्य गुणों की परीक्षा में तथा (3) पायलट के लिए रुचि की परीक्षा में न्यूनतम अंक प्राप्त करना चाहिए जैसा कि कमीशन ने अपने स्वविवेक से निर्धारित किया हो। इन शर्तों के बाद उम्मीदवारों को जिसमें लिखित परीक्षा तथा सविसेज सेलैक्शन बोर्ड परीक्षाओं में अधिकतम प्राप्त अंकों के आधार पर क्रम से दो सूचियों में रखा जाएगा एक सूची सेना तथा नौ सेना के लिए तथा दूसरी वायु सेना के लिए। जो उम्मीदवार सब सेनाओं

के लिए अर्हता प्राप्त करेंगे उनके नाम दोनों सूचियों में आएंगे। अन्तिम चुनाव सेना तथा नौसेना राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के स्कन्ध के लिए रिक्त स्थानों की उपलब्धता के आधार पर तथा गुणों के क्रम के आधार पर किया जाएगा तथा वायु सेना स्कन्ध के लिए वायु सेना की मैरिट लिस्ट तथा शारीरिक स्वस्थता तथा अन्य बातों की उपयुक्तता के आधार पर किया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार जो दोनों सूचियों में हैं उनके द्वारा दी गई तरजीह के आधार पर किया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार जो दोनों सूचियों में हैं उनके द्वारा दी गई तरजीह के आधार पर उन्हें दोनों ही सूचियों में चुनने के लिए विचार किया जाएगा और उनके अन्तिम रूप में एक सूची में से चुन लिए जाने के उपरान्त उनका नाम दूसरी सूची में से काट दिया जाएगा।

ध्यान दीजिए—वायु सेना के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को पायलट के लिए रुचि की परीक्षा केवल एक बार देनी होगी। उसमें जो ग्रेड उसे प्राप्त होगा वह बाद के इन्टरव्यू में भी रहेगा जोकि वायु सेना के सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष होंगे। उम्मीदवार जो पहली वायु सेना रुचि परीक्षा में असफल हो जाए वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में वायु सेना स्कन्ध की आंच या नौ सैनिक वायु सैनिक शाखा में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पहली किसी परीक्षा में पायलट रुचि परीक्षा दी हो और उन्हें यदि उसने अर्हता प्राप्त करने की सूचना दी गई हो तो उन्हें इस परीक्षा का आवेदन-पत्र भेजते समय केवल वायु सेना स्कन्ध के लिए आवेदन करना चाहिए।

उम्मीदवारों को सेना सेलेक्शन बोर्ड में अपने जोखिम पर परीक्षा देनी होगी तथा वे सेना सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष जो परीक्षाएं देंगे तथा जिनमें या जिनके फलस्वरूप उन्हें चोट लग सकती है जो व्यक्ति की लापरवाही से अन्यथा लगे उसके लिए वे किसी मुआवजे का दावा नहीं कर सकते।

उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इसके लिए आवेदन-पत्र में संलग्न प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। इस प्रमाण-पत्र के बिना उम्मीदवार को सविस सेलेक्शन बोर्ड के इन्टरव्यू में नहीं बैठने दिया जाएगा। उम्मीदवारों को जब सेना सेलेक्शन बोर्ड में इन्टरव्यू के लिए या डाक्टरी जांच के लिए या बाद के प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाएगा तब उन्हें उसी समय लागू नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता दिया जाएगा। जो उम्मीदवार पहले सेना सेलेक्शन बोर्ड के समक्ष इसी प्रकार के कमीशन के लिए प्रस्तुत हुए हों तो उन्हें बाद के अवसरों में सेना सेलेक्शन बोर्ड में इन्टरव्यू या डाक्टरी जांच के लिए आने पर यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा।

17. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा आयोग परीक्षा फल के बारे में भी उम्मीदवारों से पत्राचार न करेगा।

18. परीक्षा में पास हो जाने से अकादमी में प्रवेश का अधि-कार नहीं मिलता है। उम्मीदवार को नियोजक को सन्तुष्ट करना पड़ता है कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए हर प्रकार से योग्य है।

19. जो उम्मीदवार अन्तिम रूप से चुने जायेंगे वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीन वर्ष का कोर्स पूरा करेंगे। इस तीन वर्ष के प्रशिक्षण के उपरान्त सफल उम्मीदवार आगे उस सेवा विशेष के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे जिसके लिए वह चुने गए हैं। जब कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में होंगे तब वे अकादमी के अनुशासन का पालन करेंगे। प्रशिक्षण तथा सेवा का संक्षिप्त विवरण अधिसूचना के परिशिष्ट III में दिया हुआ है।

20. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी—

- (क) अंग्रेजी
- (ख) गणित
- (ग) विज्ञान
- (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सैकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सैकेण्डरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा। (घ) की परीक्षा में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के प्रति उदासीन न हो जाएं।

21. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अकादमी में भर्ती हो, माता-पिता या अभिभावक को हस्ताक्षर करने होंगे कि :—

- (क) वह उसके पुत्र या प्रतिपाल्य के लिए किसी प्रकार के मुआवजे का या अन्य सहायता का सरकार से दावा नहीं करेगा यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक कमजोरी हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन से यह संवेदना-हरण औषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।
- (ख) ऐसे बन्धक-पत्र (बांड) पर कि यदि उम्मीदवार किसी कारण से जो उसके नियंत्रक के अधीन हों, यदि वह पाठ्यक्रम पूर्ण होने से पूर्व वापस जाना चाहे या कमीशन जो उसे प्रदान किया जाये स्वीकार न करे तो जैसा भी सरकार निर्णय करे उसे लागत का पूरा या उसका अंश जोकि शिक्षा शुल्क, भोजन वस्त्र, वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं चुकाने की जिम्मेदारी लेते हैं।

22. प्रशिक्षण का खर्च जिसमें आवास, पुस्तकें, वर्दी, भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहन करेगी। माता-पिता तथा अभिभावकों से आशा की जायेगी कि वह कैडेट के जब खर्च तथा निजी व्यय वहन करे। सामान्यतः यह व्यय 40.00

रुपये प्रति मास से अधिक नहीं होता। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या अभिभावक यह व्यय पूर्ण या आंशिक रूप से वहन नहीं कर सकते तो सरकार द्वारा प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के लिये 40.00 रुपये प्रति मास तृतीय वर्ष के लिए 45.00 रुपये प्रतिमास तथा थल सेना/नौ सेना/वायु सेना प्रशिक्षण स्थापनाओं में अगले विशेषित प्रशिक्षण के लिये 55.00 रुपये प्रतिमास की आर्थिक सहायता स्वीकार की जा सकती है। कोई भी कैडेट जिसके माता-पिता या अभिभावक की मासिक आय 350.00 रुपये से अधिक होगी वह आर्थिक सहायता का पात्र नहीं होगा। अचल सम्पत्ति तथा अन्य आस्तियां तथा अन्य सब साधनों के आय पर आर्थिक सहायता देते समय विचार किया जायगा।

उम्मीदवार के माता-पिता या अभिभावक को जेम् ही उसका पुत्र प्रतिपाल्य को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए चुन लिया जाये तथा वह आर्थिक सहायता का इच्छुक हो तो उसे एक आवेदन अपने जिला मजिस्ट्रेट को देना चाहिए जो उसे अपनी सफारिश के साथ कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला भेज देगा।

23. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पहुँचने के उपरान्त अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवार को कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन-राशि जमा करनी होगी :—

(क) जेब खर्च पांच महीने के लिए 40.00 रुपए प्रति मास की दरसे	200.00 रुपए
(ख) सामान तथा वस्त्रों की मदों के लिए	650.00 रुपए
योग	850.00 रुपए

उपर्युक्त धन राशि से निम्नलिखित धन राशि कैडेट को यदि उसके लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत कर दी जाएगी वापस की जाती है :—

(क) पांच महीने का जेब खर्च 40.00 रुपए प्रति मास की दरसे	200.00 रुपए
(ख) वस्त्र तथा सामान की मदों के लिए	475.00 रुपए

24. निम्नलिखित छात्रवृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में मिल सकती हैं।

(1) परशुराम भाउ पटवर्धन छात्रवृत्ति : यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साधनों से रुपए 350.00 तथा 500.00 रु० के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा तब अन्य कमीशन से पूर्व प्रशिक्षण स्थापनाओं में तब तक के लिए वह ग्राह्य होगी। बशर्त कि कैडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जायगी उन्हें सरकार से अन्य आर्थिक सहायता नहीं दी जाएगी।

(2) कर्नल कैडिलफ़ैक मेमोरियल छात्रवृत्ति : यह छात्रवृत्ति 360.00 रुपए प्रति वर्ष की है। तथा उस मराठा कैडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कुंअर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति : दो छात्रवृत्तियां उन दो छात्रों को प्रदान की जाती हैं। जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त होते हैं। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रुपए प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके भारतीय सेना के अकादमी, देहरादून तथा वायुसेना फ्लाइट काले तथा नौसेना अकादमी, कोचीन में जहां कैडेट को प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जब कि कैडेट संस्थान में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां : दो छात्रवृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जायगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रुपए प्रति मास की होगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम को दो सर्वोत्तम कैडेटों को बिना उसके माता-पिता की आय पर ध्यान दिये प्रदान की जायगी। जिन कैडेटों यह छात्रवृत्ति प्रदान की जायगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां : दो छात्रवृत्तियां 30.00 रुपए प्रतिमास की तथा 400.00 रुपए की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की आर्थिक सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति : एक छात्रवृत्ति जिसका वार्षिक मूल्य 360.00 रुपए होगा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के हर कोर्स में पूरा प्रशिक्षण कोर्स के लिए केरल राज्य सरकार द्वारा उस छात्र को दी जाती है जो राष्ट्रीय भारतीय सेना कालेज तथा देहरादून से सफलता प्राप्त कर अकादमी में प्रवेश लेता है तथा जो केरल राज्य का निवासी हो। यह छात्रवृत्ति ऐसे कैडेट को दी जाती है जो भारत सरकार की आर्थिक सहायता प्राप्त करने का पात्र न हो तथा जिसके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपए से कम न हो।

(7) बिहारीलाल मदाकनी पुरस्कार : यह 500.00 रुपए का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स में मिलता है। आवेदन पत्र कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास होते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां : तीन छात्रवृत्तियां एक थल सेना एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैडेट के लिए प्रत्येक 80.00 रुपए प्रतिमास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासियों को दी जाएगी इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय 5000

रुपए प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखे हुए सर्वोत्तम को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां : पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासियों के निम्न लिखित वर्गों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जायगी :

(क) वर्ग 1 :—तीन छात्रवृत्तियां (प्रत्येक थल सेना, नौ-सेना तथा वायु सेना के लिए) 360.00 रुपए प्रति वर्ष अकादमी में प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के लिए और चतुर्थ अकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्थान में चौथे वर्ष के लिए 480.00 रुपए तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति यह उन कैडेटों को दिया जाएगा जिन्हें अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति नहीं मिलती।

(ख) वर्ग 2 :—तीन छात्र वृत्तियां 100 रुपए प्रति वर्ष एक मुश्त जो सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पायलट अफसर गुरमीत सिंह मेमोरियल छात्र-वृत्तियां :—420.00 रुपए प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैडेटों को दी जायगी जो वायु सेना कैडेटों में चौथी अवधि में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी। (5वीं तथा छठी अवधि के दौरान)। यह छात्रवृत्ति बन्द कर दी जाएगी यदि प्राप्तकर्ता रेलीगेट कर दिया गया हो या इसको प्राप्त करने की अवधि में छोड़कर चला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्तियां वित्तीय सहायता ले रहा है उसे यह छात्रवृत्ति नहीं दी जायगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां : हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्ति 30.00 रुपए प्रति मास तथा 40.00 रुपए प्रति मास तृतीय वर्ष के लिए प्रशिक्षण के लिए मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपए प्रतिमास से कम होगी। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे यह छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें तथा निगम कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला से प्राप्त की जा सकती हैं।

का० वे० रमणमूर्ति,
उप-सचिव

परिशिष्ट-1

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

विषय	समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	3 घंटे	250
2. गणित—प्रश्न पत्र 1	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र 2	2 घंटे	125

3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र 1	3 घंटे	200
(विज्ञान)		
प्रश्न-पत्र 2 (सामाजिक अध्ययन, सामायिक मामले तथा भूगोल)	3 घंटे	200
		900

2. उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि मीट्रिक, सिक्के, तोल और नाप पद्धति से परिचित होंगे। प्रश्न-पत्रों को जहाँ भी आवश्यक होगा मीट्रिक पद्धति के सिक्कों, तोलों तथा नापों पर आधारित करके बनाया जायगा।

3. सब प्रश्नों का उत्तर अंग्रेजी में दिया जाय अब तक प्रश्न-पत्र में विशेष रूप से अन्यथा न कहा जाए।

4. उम्मीदवारों को प्रश्नों के उत्तर अपने हाथों से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें लेखक की सहायता की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

5. आयोग को अधिकार होगा कि वह परीक्षा में एक या सब विषयों के अर्हक अंक निर्धारित करे।

6. केवल ऊपरी ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. अपठनीय हस्तलेख पर अधिकतम 5 प्रतिशत अंक काटे जा सकते हैं।

8. परीक्षा के सभी विषयों में क्रमबद्ध, प्रभावकारी, यथार्थ अभिव्यक्ति को शब्दों की समुचित किफायत होने पर श्रेय दिया जाएगा।

अनुसूची

परीक्षा का पाठ्य-विषय

अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार से बनाया जायगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा को समझने तथा उसे सही और मुहावरेदार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, मुहावरों तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिए भी प्रश्न शामिल किए जाएंगे। प्रश्न-पत्र में सारांश लेखन के लिए भी गद्यांश, सामान्यतः रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न-पत्र 1

अंकगणित

संख्या पद्धति-धन पूर्ण संख्याएं, पूर्ण संख्याएं, परिमेय और वास्तविक संख्याएं, क्रम विनिमेय, सहाचर्य और वितरण नियम। मूल संक्रियाएं। जोड़, घटाना गुणन, और विभाजन के प्रश्न वर्ग और धन मूल। दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि—साधारण तथा मिश्र व्याज, समय तथा कार्य और समय, लाभ तथा हानि अनुपात और समानुपात का प्रयोग तथा दौड़ से संबंधित प्रश्न।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत—

विभाजन एल्लोरीथ्य, अभाज्य और भाज्य संख्याएं। गुणन और गुणनखण्ड गुणनखण्डन-प्रमेय। म०स०प० और ल०स०प० यूक्लिडीय एल्लोरीथ्य।

लघुगणक और उसका उपयोग।

बीजगणित

आधारभूत संक्रियाएं—साधारण गुणनखण्ड। शेषफल प्रमेय दो बहुपदों का म०स०प० और ल०स०प०, द्विघात समीकरण का हल, उसके मूल और गुणकों के बीच संबंध। दो अज्ञात राशियां, के युगपत समीकरण, तीन अज्ञात राशियों के रेखिक युगपत समीकरण समीकरणों का प्रयोग। असीमिकाएं। ग्राफ।

समुच्चय, अंकन पद्धति, वैन आरेख, समुच्चय सक्रियाएं तीन अज्ञात राशियों के रेखिक समीकरणों के हल समुच्चय, प्रयोग परिमेय गुणकों वाले बहुपद। विभाजन एल्लोरीथम। घातांक नियम। समांतर श्रेणी और गुणोत्तर श्रेणी। गुणोत्तर श्रेणी। आवर्त दशमलव भिन्न। क्रमचय और संचय। धन पूर्ण संख्या वाले घातों के लिए द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

त्रिकोणमिति

त्रिकोणमितीय अनुपात और सर्वसमिकाएं। 30, 45, और 60, के त्रिकोणमितीय अनुपात तथा ऊंचाई और दूरी के प्रारम्भिक प्रश्नों में उनका प्रयोग।

प्रश्न-पत्र-II**व्यामिति**

आयतन संबंध। एक रेखा में क्रम संबंध। क्षेत्र एक समतल में दिग्वलन। पाश का अभिगृहीत। रेखा और बिन्दु में परावर्तन स्थानांतरण। घूर्णन। परावर्तन, स्थानांतरण और घूर्णन का संयोजन। सर्पी परावर्तन। रेखा के प्रति समिति। सममित आकृतियां। समुदूरिकी। निश्चर। सर्वांगसमता—प्रत्यक्ष और बिषम।

(ख) निम्नलिखित पर प्रमेय—

- (1) किसी बिन्दु पर कोण के गुण धर्म
- (2) समांतर रेखाएं
- (3) त्रिभुजों की भुजाएं और कोण
- (4) त्रिभुजों की सर्वांग समता
- (5) समरूप त्रिभुज
- (6) त्रिभुज की मध्यिकाओं, शीर्षलम्बों, भुजाओं के लम्ब द्विभाजकों और कोणों के द्विभाजकों का संगमन।
- (7) समानर चतुर्भुज, समचतुर्भुज, आयत, वर्ग तथा समलम्ब के कोणों, भुजाओं व विकर्णों के गुणधर्म।
- (8) वृत्त और उसके गुण धर्म। इनमें स्पर्श रे अभिलंब भी शामिल हैं।
- (9) चक्रीय चतुर्भुज

- (10) बिन्दुपथ ज्यामिति यंत्रों के प्रयोग की आवश्यकता वाले व्यावहारिक प्रश्न तथा रचनाएँ जैसे, कोण तथा सीधी रेखा का द्विभाजन, लम्ब, समांतर रेखाएं, त्रिभुज। वृत्तों की स्पर्श रेखाएं। त्रिभुजों के अन्तर्वृत्तों और परिवृत्तों की रचना।

फलन

फलन/ग्राफ/सीमा और सातत्य/फलनों के अवकल गुणांक। प्रारम्भिक फलनों का अवकलन—बहुपद परिमेय, त्रिकोणमितीय। फलन के फलन का अवकलन, अवकलन, दर, वृद्धियां, द्वितीय कोटि अवकलन।

अवकलन के व्युत्क्रम के रूप में समाकलन। समाकलन के मानक सूत्र। खण्डशः और प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन।

विस्तारकलन (मेन्सुरेशन)

समतल आकृतियों का क्षेत्रफल। धन पिरैमिड। लम्बवृत्तीय बेलन, शंकु और गोले का आयतन और पृष्ठ। (इन से संबंधित व्यावहारिक प्रश्न दिए जाएंगे और यदि आवश्यकता होगी तो प्रश्न पत्र में सूत्र भी दे दिए जाएंगे।)

समतल निर्देशांक ज्यामिति :—

दूरी सूत्र। खण्ड सूत्र। सीधी रेखा के समीकरण के मानक रूप। दो रेखाओं के बीच कोण। समांतरता और लम्बता के प्रतिबंध। किसी बिन्दु से किसी रेखा तक के लम्ब की दूरी। वृष्ट का समीकरण।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र I:—इसमें भौतिकी रसायन और सामान्य विज्ञान होगा।

प्रश्न-पत्र II:—इसमें समाजिक अध्ययन, भूगोल और समाजिक मामले होंगे।

इन प्रश्न पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयों को सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्यविवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बुद्धिमत् ढंग से समझने की मेधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए और न कि किसी पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तक के विस्तृत ज्ञान का।

प्रश्न-पत्र-I**विज्ञान**

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र-I में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा—(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां।

सहति भार आयटन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण आर्कमिडीज का नियम, दाब, वायुदाब मापी। बिंब की गति। वेग, त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेग। बल समान्तरचतुर्भुज पिंड का स्थायित्व और संतुलन गुरुत्वाकर्षण कार्य शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

उष्मा का प्रभाव, तापमान का नाप और उष्मा। स्थिति परिवर्तन और गुप्त उष्मा/उष्मा अन्तरण विधियां।

ध्वनि तरंगों और उनके गुणधर्म । सरल वाद्य यन्त्र, प्रकाश का श्रृङ्खरेखीय संचरण । परावर्तन और अपवर्तन/गोलीय दर्पण और लेन्स मानव नेत्र ।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक/चुम्बक के गुणधर्म / पृथ्वी चुम्बक के रूप में ।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत् चालक तथा अचालक श्रोम नियम साधारण विद्युत् परिपथ धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव/विद्युत्, शक्ति का माप/प्राथमिक और गौण सेल/एक्स-रे के उपयोग ।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांत :

सरल लोलक, सरल घिरनी, साइफ, उत्तोलक, गुब्बारा, पम्प, हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मोस्पलास्क, ग्रामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक दिक्सूचक, तड़ित ज्वालक, सुरक्षा, पृष्ठ ।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन : तत्त्व/मिश्रण तथा योगिक । प्रतीत, सूत्र और सरल रासायनिक समीकरण । रासायनिक संयोग के नियम (प्रश्नों को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म ।

आक्सीजन, हाइड्रोजन तथा नाइट्रोजन की रचना और गुण धर्म । आक्सीकरण और अपचयन ।

अम्ल, क्षारक और लवण ।

कार्बन—भिन्न रूप ।

उर्वरक—प्राकृतिक और कृत्रिम ।

साबुन कांच, स्थाही, कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई और गन-पाउडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री ।

परमाणु की रचना परमाणु तुल्यमान अनुभाग संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान ।

(ग) जड़ और चेतन म अन्तर ।

जीव कोशिकाओं जीव द्रव्य और ऊतकों का आधार वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन ।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान ।

सामान्य महामारियाँ उनके कारण रोकने के उपाय तथा उपचार ।

खाद्य—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत । खाद्य के संघटक । संतुलित आहार ।

सौर परिवार; उलका और धूमकेय/ग्रहण

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ ।

टिप्पणी :-—इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यता भाग (क) (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे ।

प्रश्न-पत्र-II

(सामाजिक अध्ययन भूगोल और सामयिक मामले)

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा —

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी ।

भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन ।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन ।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी ।

भूदान सर्वोदय भावात्मक एकता कल्याणकारी राज्य महात्मा गांधी के मूल्य उपदेश ।

आधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली शक्तियों पुनर्जागरण अन्वेषण और खोज । अमरीका का स्वाधीनता संग्राम फ्रांसीसी क्रांति औद्योगिक क्रांति रूसी क्रांति । समाज पर विज्ञान और शिल्प विज्ञान का प्रभाव ।

एक विश्व की संकल्पना संयुक्त राष्ट्र । पंचशील । लोक तंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विश्व में भारत का योगदान ।

(ख) पृथ्वी, हमकी आकृति और आकार, आक्षांश और रेखांश समय की संकल्पना । अंतर्राष्ट्रीय तारीख रेखा । पृथ्वी की गतियाँ और उसके प्रभाव ।

पृथ्वी का उद्भव । चट्टानों और उनका वर्गीकरण ।

अपक्षय—रासायनिक और भौतिक । भूचाल तथा ज्वालामुखी । महासागर धाराएँ और ज्वारभाटे ।

वायुमंडल और इसका संघटन । तापमान और वायुमण्डल दाब, भूमंडल पवन, चक्रवात और प्रतिचक्रवात, आर्द्रता । प्रवण और वर्ष । जलवायु के प्रकार ।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र ।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक, वनस्पति खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण ।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री, भू और वायु मार्ग । भारत के आयात और निर्यात की मुख्य मर्दे ।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी ।

सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएँ ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय इनमें सांस्कृतिक कार्यकलापों और खेल-कूद से सम्बंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं ।

टिप्पणी ——इस प्रश्न-पत्र के अधिकतम अंकों में से सामान्यता भाग (क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, और 20 प्रतिशत अंक होंगे ।

बुद्धि तथा व्यक्ति परीक्षा

इन्टरव्यू के अनिवार्य उम्मीदवारों की मूल बुद्धि को जांच करने के लिए मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जायेगी। उन्हें ग्रुप परीक्षा भी दिए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्या, ग्रुप योजना, मैदानी ग्रुप कार्य-कलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त भाषण देने के लिए भी कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवार की बुद्धि प्रखरता की जांच के लिए हैं। मोटे-तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं। अपितु इनमें उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामायिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट II**राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए शारीरिक-मानक सम्बन्धी मुख्य बातें**

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम उम्मीदवार को ही योग्य ठहराया जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तमल्ली की जाएगी कि :—

(क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या मोटापा तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संधियों का कुविकास तो नहीं है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं आ गई है।

नोट:—ऐसे उम्मीदवार को स्वस्थ माना जा सकता है जिसके आग्रह रूप ग्रीवा पसली (रुडिमेन्डरी सर्विकल रिब) तो है लेकिन ऐसे कोई चिह्न अथवा लक्षण नहीं है जिनका सम्बन्ध ग्रीवा पसली से जोड़ा जा सके। फिर भी चिकित्सा मण्डल की कार्यवाही में इस दोष को साधारण असमर्थता के रूप में दर्ज किया जाएगा।

(ग) हकलाहट दो नहीं है।

(घ) सिर की कुरचना तो नहीं है, खोपड़ी की हड्डी टूटने के कारण या हड्डियों के दबने से विरूपता तो नहीं आ गई है।

(ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा और कोई कान रोगग्रस्त तो नहीं है। टैम्पनिक मैन्युवेल में कच्चा जलम और छेद तो नहीं है। उग्र या जीर्ण पीप तो नहीं पड़ी है। कर्ण शोथ के चिह्न तो नहीं हैं। आमूल या उपांतरित आमूल कर्णमूल आप्रेशन तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी:—यदि कान में पर्दे का छेद पूरी तरह भर गया हो, इसको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल मेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

बुद्धि तथा व्यक्ति परीक्षा

(च) नाक की हड्डी या उपस्थि का कोई रोग तो नहीं है या नासाह पालिपस तो नहीं है अथवा नासा-ग्रसनी का कोई रोग और सहायक शासनस तो नहीं हैं।

टिप्पणी:—नासा पेट के छोटे असक्षणी अभिधातक छेद के कारण उम्मीदवार को एकदम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों को जांच और मत के लिए कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) तपेदिक या अन्य रोगों के कारण या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बड़ी हुई तो नहीं हैं और थाईराईड ग्रंथ सामान्य है।

टिप्पणी:—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार के अस्वीकृति के कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्सरे करने पर रोगमुक्त पाई जाए।

(झ) गले, तालू, टांसिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं है या दोनों ओर की अधीहू संधियों की क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी:—यदि बार-बार टांसिल शोथ होने का कोई वृत्त न हो तो टांसिलों की अति वृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती है।

(ञ) हृदय तथा रक्त-वाहिकाओं का क्रियात्मक या आंगिक रोग तो नहीं है।

(ट) फेफड़ों के तपेदिक या इस बीमारी के पूर्ववत् या फेफड़ों का कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ठ) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पाचन तन्त्र का कोई रोग तो नहीं है। और स्पर्श परीक्षा में उदगीय कोमलता न हो।

(ड) वंक्षण हनिया (जिसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो) या उसकी आशंका हो, अस्वीकृति का कारण होगा।

टिप्पणी:—जिनका हनिया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि :—

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट का पेशीसमूह सामान्यतः ठीक है।

(iii) हनिया का पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या शल्य चिकित्सा से सम्बन्धित कोई उल्लेखन पैदा नहीं हुई है।

(ढ) हाइड्रोसिल या निश्चित वेरिकोसिल या जननेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

टिप्पणी:— (i) यदि हाइड्रोसिल के आपरेशन के बाद रज्जू और ग्रण्डग्रंथियों की विलक्षणताएं न हों और फाईबरिया रोग का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर दिया जाएगा।

(ii) अन्तरुद्धर ग्रण्डग्रंथि का एक ओर को अनावरोही होना सशस्त्र सेना में कमीशन प्रदान करने के लिए उम्मीदवार को स्वीकृत करने से बर्जित नहीं करेगा। बशर्ते कि दूसरी ग्रण्डग्रंथि सामान्य हो और इस दोष के कारण कोई शरीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। वक्षन नालिका में या बाह्य उदरीय कलस पर अनश्वरित वृषण यदि आपरेशन द्वारा ठीक नहीं कर दिया गया हो तो वह स्वीकार्यता में अवरोधक है।

(ग) फिस्चुला और/या गुदा का बिबर या बवासीर के मस्ये तो नहीं हैं।

(त) गुर्दों की कोई बीमारी तो नहीं है। ग्लूकोज मेह या एल्ब्यूमिनमेह के सभी मामले अस्वीकृत कर दिये जाएंगे।

(थ) अस्थायी अथवा मामूली क्षत-चिन्हों को छोड़ कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अशक्तता या बहुत कुरूपता आ गयी हो या आने की संभावना हो तो उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(व) कोई सक्रिय, गुप्त या जन्मजात रजित रोग तो नहीं है।

(घ) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई वृत्त या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी आती हो, जिनका पेशाब बैसे ही या नींद में निभल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(न) भेंगापन या आंख की पलकों की कोई विकृति तो नहीं है जिनके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।

(प) सक्रिया रोहे (ट्रकोमा) या इसकी जटिलताएं और अनुगम तो नहीं हैं।

टिप्पणी:— प्रवेश से पूर्व इलाज के लिये आपरेशन करवाए जाएं। अंतिम रूप से स्वीकार किये जाने की गारंटी नहीं दी जा सकती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन वांछनीय है या आवश्यक है इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम या उसके लिये किये गये विंसी भी व्यय का कोई भी दायित्व सरकार स्वीकार नहीं करेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के नापों के लिये मानक:

(क) कद:—(1) कद की नाप उम्मीदवार को मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी, इस समय वजन एडियों पर होना चाहिए, पंजों पर पांव के बाहरी पाशवों पर नहीं। वह बिना अंगूठे इस प्रकार सीधा होगा कि उसकी एडियां, पिण्डलियां, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि भिर का स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटरों से कम कदशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटीमीटर ही रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य कद 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 157 सेंटीमीटर) से, बिंबु गोरखा, नेपाली, आसामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये 5 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोराम और त्रिपुरा के नौसैनिक उम्मीदवारों की न्यूनतम ऊंचाई भी 5.0 सेंटीमीटर और लकादिव के उम्मीदवारों के मामलों में भी 2 सेंटीमीटर घटाई जा सकती है।

टिप्पणी:—कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 5 सेंटीमीटर) तक की छूट इन मामलों में दी जा सकती है जहां चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा। इसके अवाला भारतीय नौसेना के कैंडिडेटों के लिए जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो आनुपातिक छूट दी जा सकती है।

(iii) केवल वायुसेना के लिए पायलट के प्रशिक्षण की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए न्यूनतम कद तथा टांग की लम्बाई इस प्रकार होगी।

कद:—162.5 सेंटीमीटर।

टांग की लम्बाई कुल्हे से एड़ी तक 99.0 सेंटीमीटर।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों की कम आयु के कारण कद में 5.0 सें० मी० और टांग की लम्बाई में 2.5 सें० मी० की छूट दी जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार की बढ़ने की सम्भावना है तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुंच जाएगा।

(ख) वजन:—(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतारकर या केवल जोधिये के साथ लिया जाएगा। वजन करते समय ½ किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं

किया जायगा। आयु, कद और औसत वजन विषयक परस्पर, संबंधी सारणी में निर्देश के लिये दी जा रही है :-

आयु अवधि	15-16	16-17	17-18
कद सेंटीमीटर	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.5	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) कद तथा आयु के सम्बन्ध में वजन का ठीक-ठाक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिक मात्र है। तथा सभी मामलों में से लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिए गए औसत वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (नौसेना के लिए 6 किलोग्राम) होना पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से योग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उनके बोर्ड में भी उपयुक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की अपेक्षा उनको सामान्य शरीर गठन और अनुपातिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती पूरी तरह अनुपातिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलान पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होनी चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी बांहें सिर के ऊपर उठी हों फीते को छाती के दिर्द इस प्रकार से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फिरियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामन भूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बांहों को नीच किया जाएगा और इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा

जाएगा कि कंध ऊंचे उठे या पीछे की ओर झुके न हों ताकि फीता अपने स्थान से हटने न पाए। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिकतम और न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर के कम के दशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटीमीटर रिकार्ड किया जाएगा। और 0.6 सेंटीमीटर से अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी:—वायु सेना तथा नौसेना के लिए छाती का एसक्सरे अनिवार्य है।

4. दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार न दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरी जबड़े के अनुरूप दांतों के लिए निम्न प्रकार के प्वाइंट दिए जाएंगे:—

- बीच के कृन्तक, बगल के कृन्तक, रदनक प्रथम तथा द्वितीय अग्रचवर्णक तथा कम विकसित तृतीय चवर्णक प्रत्येक के लिए एक-एक ट्वाइंट।
- प्रथम तथा द्वितीय चवर्णक तथा पूर्णतया विकसित तृतीय चवर्णक पूर 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिए जाएंगे। प्रत्येक के लिए दो-दो प्वाइंट।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके:

- आगे के 6 में से कोई 4 दांत।
- पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन उम्मीदवारों का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छी किया जा सकता हो उन्हें स्वीकार किया जा सकता है।

दृष्टिमानक :

(क) दृष्टि-सीक्षणता

मानक-

	अच्छी आंख	खराब आंख
दूर दृष्टिता	बी०-6/6	बी०-6/9
	चश्मा लगाकर	6/6 तक

मानक-ii

	अच्छी आंख	खराब आंख
दूर दृष्टिता	6/6	6/6
(चश्मा लगाकर)		

दृष्टि वैषम्य सहित निकट दृष्टिता (मायोपिया)---2.5 डी० से अधिक नहीं (नौसेना के लिए 5 डी०) । दृष्टि वैषम्य सहित दूर दृष्टिता (हाइपर मेट्रोपिया) 0+3.5 डी० से अधिक नहीं ।

टिप्पणी 1 :—फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमाएं में होने चाहिए ।

2 :—वर्धमयो मायो रेटिया के सूचक विट्रियस या कोरियारेटिना के अनावश्यक व्यपजनन चिन्हन हों ।

3 :—उम्मीदवार को द्विनेत्री (बाइनोकुलर) दृष्टि अच्छी होने चाहिए (दोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र) ।

4 :—कोई ऐसा आंगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन अथवा खराब होने की संभावना है ।

(ख) रंग दृष्टि

प्राथमिक रंगों को पहचानने की असमर्थता के कारण उम्मीदवार को अस्वीकृत नहीं किया जाएगा किन्तु इस तथ्य को कार्यवाही में रिकार्ड कर लिया जाएगा तथा उम्मीदवार को उसकी सूचना दे दी जाएगी ।

(ग) सेनाओं के लिए अपेक्षाएं ।

थल सेना दृष्टि मानक II (न्यूनतम मानक)

नौसेना (1) दृष्टि मानक II कार्यपालक शाखा के उम्मीदवार चश्मा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय अनुमति दे तो कुछ सीमित संख्या तक अन्यथा उम्मीदवारों के संबंध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है । इंजीनियरी, विद्युत् और पूर्ति तथा सचिवालय शाखाओं के लिए दृष्टि मानक 6/18, 6/36 चश्मा लगाकर दोनों आंखों के लिए 6/6 है ।

(ii) विशेष अपेक्षाएं ।

रात्रि दृष्टि मानक :—जिन उम्मीदवारों को जोरोप्यल-मिया; वर्णक व्यय-जनन, कोरियोरेटियनों का विक्षोभ, असमान्य आशरित और प्यूपिलेटी होने का संदेह और जो अन्यथा सभी प्रकार से स्वस्थ हैं उनकी नौसेना में सेवा के लिए स्वीकार

किए जाने से पहले विस्तृत डेला कासा परीक्षण दिया जाएगा । जो उम्मीदवार ग्रेड II (ग्यारह डेला कासा अच्छा/बहुत अच्छा) प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें अस्वीकार कर दिया जाएगा ।

जिन उम्मीदवारों को डेला कासा परीक्षण नहीं दिया जाएगा उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा :—

मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि जहाँ तक मेरी जानकारी है हमारे परिवार में किसी व्यक्ति को जन्मजात रतौंधी नहीं है और मुझे यह भी रोग नहीं है ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर,
चिकित्सा अधिकारी के प्रति हस्ताक्षर,

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान मानक 1 एम० एल० टी०

(मार्टिन लेन्टर्न टेस्ट)

नेत्रविचलन प्रवृत्ति

मेडुलाक्स राड-विंग टेस्ट से नेत्रविचलन प्रवृत्ति की सीमा निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए (बशर्ते कि अभिसरण अपर्याप्तता और अन्य लक्षण न हों) ।

(क) 6 मीटर पर

नेत्रबहिर्विचलन प्रवृत्ति	8 प्रिज्म डायप्टर
नेत्रअभिमाध्य विचलन	8 प्रिज्म डायप्टर
नेत्रऊर्ध्व विचलन प्रवृत्ति	1 प्रिज्म डायप्टर

(ख) 30 से० मी० पर

नेत्रअभिमाध्य विचलन	6 प्रिज्म डायप्टर
नेत्रबहिर्विचलन प्रवृत्ति	16 प्रिज्म डायप्टर
नेत्रऊर्ध्व विचलन प्रवृत्ति	1 प्रिज्म डायप्टर

दूरदृष्टि की सीमाएं (होमोप्रोपिन डालने के बाद) ।

	अच्छी आंख
दूरदृष्टिता	1.50 डायप्टर
सरल दूरदृष्टिवैषम्य	0.75 डायप्टर
संयुक्त दूरदृष्टिवैषम्य	अधिक दूर दृष्टि याम्योत्तर (मेरीडियन में) त्रुटि 1.5 डायप्टर से अधिक नहीं होनी चाहिए और इसमें दृष्टि वैषम्य के कारण त्रुटि 0.75 डायप्टर से अधिक नहीं होनी चाहिए ।

	खराब आंख
दूरदृष्टिता	2.5 डायप्टर
सरल दूरदृष्टिवैषम्य	1.5 डायप्टर
संयुक्त दूरदृष्टिवैषम्य	अधिक दूर दृष्टि याम्योत्तर (मेरीडियन) में त्रुटि 2.5 डायप्टर से अधिक नहीं होनी चाहिए और इसमें से दृष्टि वैषम्य के कारण त्रुटि 1.0 डायप्टर से अधिक नहीं होनी चाहिए ।

दूरदृष्टिता	2.5 डायप्टर
सरल दूरदृष्टिवैषम्य	1.5 डायप्टर
संयुक्त दूरदृष्टिवैषम्य	अधिक दूर दृष्टि याम्योत्तर (मेरीडियन) में त्रुटि 2.5 डायप्टर से अधिक नहीं होनी चाहिए और इसमें से दृष्टि वैषम्य के कारण त्रुटि 1.0 डायप्टर से अधिक नहीं होनी चाहिए ।

निकट दृष्टि:—किसी एक याम्योत्तर में 0.5 डायप्टर से अधिक नहीं।

द्विनेत्री दृष्टि:—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि अच्छी होनी चाहिए (दोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र)।

वायु सेना (I) दृष्टि मानक I चपमा नहीं लगाया जाएगा।

(II) विशेष अपेक्षाएं—अक्षत दूर दृष्टिता 2.25 डी० से अधिक नहीं होनी चाहिए।

नेत्र पेशी संतुलन:

मेड्राडक्स राड ट्रस्ट से नेत्र विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर पर नेत्रबहिर्विचलन प्रवृत्ति—
6 प्रिज्म डायप्टर।
नेत्र भिन्मध्यविचलन प्रवृत्ति—
—6 प्रिज्म डायप्टर।
नेत्र ऊर्ध्वविचलन प्रवृत्ति—
1 प्रिज्म डायप्टर।

(ख) 33 सेंटीमीटर पर नेत्र बहिर्विचलन प्रवृत्ति—
16 प्रिज्म डायप्टर।
नेत्र अभिन्मध्यविचलन प्रवृत्ति—
6 प्रिज्म डायप्टर।
नेत्र ऊर्ध्व विचलन प्रवृत्ति—
1 प्रिज्म डायप्टर।

द्विनेत्री दृष्टि:—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। (आयाम और गहराई के साथ संयोजन और स्टीयरिंग, पसिस)।

रंग तथा प्रत्यक्ष ज्ञान:—मानक 1 एल० एम० टी०।

6. श्रवण मानक:—श्रवण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जाएगी जहां आवश्यक होगा अन्यथा मापी (आडियोमेट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

(क) **वाक परीक्षण:**—उम्मीदवार को, जो एक उचित ढंग से शान्त कमरे में परीक्षक की ओर पीठ करके 609.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो, प्रत्येक कान से फुसफुसाट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिए अर्थात् वह साधारण निःश्वासन के अन्त में बोलेगा।

(ख) **श्रव्यता मितिक रिकार्ड:**—उम्मीदवार को प्रत्येक काम से 128 से 4096 साइकिल प्रति सैकन्ड की आवृत्ति पर सुनना चाहिए। (श्रव्यतामितिक पाठ्यांक -10 तथा -10 के बीच होना चाहिए)।

परिशिष्ट III

सेना का संक्षिप्त व्यौरा नीचे दिया गया है :—

प्रशिक्षण :

तीनों सेनाओं अर्थात् स्थल सेना, नौसेना और वायुसेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का आरम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक अंतःसेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। दिया गया शैक्षिक प्रशिक्षण यथास्थिति विज्ञान या कला के स्नातक स्तर तक का होगा।

2. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद स्थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी देहरादून में नौसेना कैडेट, कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट वायु सेना अकादमी, हैदराबाद में जाते हैं।

3. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को जैन्टिलमैन कैडेट कहा जाता है। उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे स्थल सेना उपा-यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जैन्टिलमैन कैडेटों को उनके शेष (11111) में शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सैकन्ड लैफ्टिनेन्ट के पद पर स्थाई कमीशन दिया जाता है।

4. नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना की कार्यपालक इंजीनियरी बिजली पूर्ति और सचिवालय शाखाओं के लिए चुना जाता है। उन्हें छः महीने के लिए कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिसके सफलता से पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमन के रैंक में पदोन्नत किया जाता है। अपनी शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी सब-लैफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

5. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का 1-1/2 वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। सभी कैडेटों को लड़ाकू पायलटों का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो जाने पर उन्हें पायलट अफसरों के रूप में कमीशन तथा उड़ान बिल्ले दिये जाते हैं। यदि किसी कैडेट का उड़ान की ओर पर्याप्त रुझान नहीं होता तो उसे थल सेना/नौसेना कैडेट के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में वापस जाने की अनुमति दी जा सकती है अथवा उसे उड़ान (मार्ग-निर्देशन) शाखा या प्रशासनिक/संभारिकी शाखा का प्रशिक्षण देने के प्रश्न पर विचार किया जा सकता है। यह प्रशिक्षण एक से 1-1/2 वर्ष तक का होता है जिसे सफलतापूर्वक समाप्त कर लेने पर कैडेट को सम्बन्धित शाखा में परिवीक्षाधीन पायलट अफसर के रूप में कमीशन दिया जाता है।

6. थल सेना अफसर

(1) वेतन :—

रैंक	वेतनमान
	रुपये
सैंकण्ड लैफ्टिनेन्ट	750-790
लैफ्टिनेन्ट	830-950
कैप्टन	1250-1550
मेजर	1650-1800
लैफ्टिनेन्ट कर्नल (प्रवरण से)	1800-1950
लैफ्टिनेन्ट कर्नल (समयमान)	1800 निश्चित
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2550-125/2-2750
लैफ्टिनेन्ट जनरल	3000 प्रति मास

(II) भत्ते :—

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

(क) नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ता उन्हीं दरों पर तथा उन्हीं शर्तों पर मिलता है जिन पर सिविलियन राजपदित अफसरों को मिलता है।

(ख) 50 रुपए प्रति मास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) प्रवास भत्ता :—जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो तब धारित रैंक के अनुसार 50 रु० से 250 रु० प्रतिमास तक का प्रवास भत्ता मिलता है।

(घ) विद्युक्ति भत्ता :—जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां कोई परिवार सहित नहीं रह सकता है तब उन्हें 70 रु० प्रतिमास की दर से विद्युक्ति भत्ता मिलता है।

(III) तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(V) पदोन्नति

(क) मूल पदोन्नति—

उच्चतर रैंकों पर मूलक पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समयमान द्वारा :—

लैफ्टिनेन्ट—2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।

कैप्टन—6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।

मेजर—13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।

मेजर से लैफ्टिनेन्ट कर्नल

यदि प्रवरण से पदोन्नति न हुई तो 24 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।

प्रवरण द्वारा

लैफ्टिनेन्ट कर्नल	—16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।
कर्नल	—20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।
ब्रिगेडियर	—23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।
मेजर जनरल	—25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।
लैफ्टिनेन्ट जनरल	—28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा।
जनरल	—कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नतियां

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों :—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लैफ्टिनेन्ट कर्नल	6 1/2 वर्ष
कर्नल	8 1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लैफ्टिनेन्ट जनरल	25 वर्ष

7. नौ सेवा अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौसेना विमान और पनडुब्बी
1	2	3
	मासिक रु०	मासिक रु०
मिडशिपमैन	560	560
कार्यकारी सब-लैफ्ट०	750	825
सब-लैफ्टिनेन्ट	830/870	910-950
लैफ्टिनेन्ट	1100-1450	1200-1550
लैफ्टिनेन्ट कमांडर	1550-1800	1650-1800
कमांडर	1800-1950	1800-1950
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कोमोडोर को वही वेतन मिलता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के अनुसार हकवार है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2 2750	2500-125/2 2750
वाइस एडमिरल	3000 रु०	3000 रु०

कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले कमाण्डर और उसके नीचे के रैंक के अफसरों को, निम्नलिखित दरों पर योग्यता वेतन अनुदान भी ग्राह्य है :—

निम्न दर उच्च दर

योग्यता वेतन	70 रुपये	100 रुपये
योग्यता अनुदान	1,600 रुपये	2400 रुपये

(ii) भत्ते :—

नौसेना विमानन अफसर उड़ान उपदान के लिए उन्हीं दरों तथा शर्तों के अधीन हकदार होंगे जो वायु सेना अफसरों के अनुरूपी रैंकों के लिए लागू हैं।

नौसेना अफसर समकक्ष रैंक के बल सेना अफसरों को मिलने वाले भत्तों के लिए भी हकदार हैं। इनके प्रतिरिक्त उन्हें हार्ड शार्पिंग मनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन और गोता वेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियां देने के लिए निम्न-लिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समयमान द्वारा	
सब लैफ्टि०	1 वर्ष
लैफ्टिनेन्ट	3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ-जन्ती के अधीन)।
लैफ्टि० कमाण्डर	लैफ्टि० के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर	24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि प्रवरण द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)
प्रवरण द्वारा	
कमाण्डर कार्यपालक शाखा	लैफ्टिनेन्ट कमाण्डर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर इंजीनियरी शाखा	लैफ्टि० कमाण्डर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर विद्युत शाखा	लैफ्टिनेन्ट कमाण्डर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कमाण्डर पूर्ति और सचि-वालय शाखा	लैफ्टि० कमाण्डर के रूप में 4-10 वर्ष की वरिष्ठता।
कैप्टन	कमाण्डर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।
वाइस एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति :—

लैफ्टि० कमाण्डर के रैंक को छोड़ कर जिसके लिए किसी अफसर को लैफ्टि० के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता प्राप्त होनी चाहिये नौसेना में कार्यकारी पदोन्नति के लिए कोई सेवा सीमा नहीं है।

8. वायु सेना अधिकारी

(i) वेतन :—

रैंक	वेतनमान रुपये
पायलट अफसर	825-865
फ्लाईंग अफसर	910-1030
फ्लाईंग लैफ्टिनेन्ट	1300-1550
स्कवाड्रन लीडर	1650-1800
विंग कमाण्डर (प्रवरण)	1750-1950
विंग कमाण्डर (समयमान)	1800 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
एयर कमाण्डर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	2500-125/2-2750
एयर मार्शल	3000
एयर चीफ मार्शल	जैसा कि समय-समय पर सरकार ने निर्धारित किया हो।

(ii) भत्ते :—

उड़ान भत्ता—फ्लाईंग ब्रांच (पायलट और नेवीगेटर) शाखाओं के अफसर निम्नलिखित दर पर उड़ान भत्ता लेने के पात्र हैं :—

पायलट अफसर से लेकर	
विंग कमाण्डर तक	रु० 375 प्रति मास
ग्रुप कैप्टन और उससे ऊपर	रु० 333.33 प्रति मास
एयर वाइस मार्शल और उसके ऊपर	रु० 300 प्रति मास

(iii) योग्यता वेतन अनुदान—निम्नलिखित दरों पर उन फ्लाईंग ब्रांच अफसरों को स्वीकार्य, जिनके पास निर्धारित योग्यताएं हैं :—

	निम्नतम दरें	उच्चतम दरें
योग्यता वेतन	रु० 70 प्रतिमास	रु० 100 प्रतिमास
योग्यता अनुदान	रु० 1600	रु० 2400

(iv) पदोन्नतियाँ

(क) मौलिक पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर मौलिक पदोन्नति देने के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं—

समयमान द्वारा

फ्लाईंग अफसर .	1 वर्ष की कमीशन सेवा
फ्लाईंग लैफ्टि० .	5 वर्ष की कमीशन सेवा
स्क्वाड्रन लीडर .	11 वर्ष की कमीशन सेवा
विंग कमाण्डर .	यदि प्रवरण द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन सेवा पूरी करने पर।

प्रवरण द्वारा—

विंग कमाण्डर .	स्थायी स्क्वाड्रन लीडर के रूप में 3 वर्ष की सेवा।
ग्रुप कैप्टन .	स्थायी विंग कमाण्डर के रूप में 4 वर्ष की सेवा।
एयर कमांडोर .	स्थायी ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा।
एयर वाइस मार्शल .	स्थायी एयर कमांडोर के रूप में 3 वर्ष की सेवा।
एयर मार्शल .	स्थायी एयर वाइस मार्शल के रूप में 2 वर्ष की सेवा।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति—

अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिए अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है :—

फ्लाईंग लैफ्टि० .	2 वर्ष
स्क्वाड्रन लीडर .	5 वर्ष
विंग कमाण्डर .	6 वर्ष (स्क्वाड्रन लीडर के रैंक में 1 वर्ष की सेवा के बाद)।
ग्रुप कैप्टन .	8 वर्ष (विंग कमाण्डर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर कमांडोर .	11-1/2 वर्ष (विंग कमाण्डर और ग्रुप कैप्टन के रैंक में 3 वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर वाइस मार्शल .	15 वर्ष (विंग कमाण्डर, ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडोर के रैंकों में *5 वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर मार्शल .	23 वर्ष।

*खंडित अवधियों को शामिल करके।

9. सेवा निवृत्ति लाभ—

पेंशन, उपदान और आकस्मिकता पेंशन समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होगी।

10. छुट्टी—

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 5th July 1975

No. 13, dated 27th May 1975.—An examination for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the National Defence Academy shall be held by the Union Public Service Commission at such places and on such dates as may be specified in the Notice issued by the Commission in this behalf. The number of the course and the month of its commencement at the Academy and also the approximate number of vacancies to be offered for entry on the results of the examination will be specified in the notice issued by the Commission.

2. Admission to the National Defence Academy will be made on the results of a written examination to be conducted by the Union Public Service Commission, and an interview by a Services Selection Board.

3. Candidates should indicate in the application form their order of preference if they wish to compete for more than one Service. Due consideration will be given to the preference expressed by a candidate at the time of his application but the Government of India reserve the right to assign him to any Service or branch of Service taking into consideration the vacancies available in each Service or branch and the aptitude of the Candidate.

NOTE 1.—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference.

NOTE II.—Candidates who have applied for the combined Defence Services Examination for admission as special Entry Cadets into the Indian Navy must exercise their final option before admission to the National Defence Academy course. After admission they will not be considered for Special Entry in the Navy. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after admission to the Academy.

4. A candidate must be an unmarried male and must be either :—

- a citizen of India, or
- a subject of Sikkim, or
- a subject of Bhutan, or
- a subject of Nepal, or
- a person of Indian origin who was migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

NOTE.—A widower or a person who has divorced his wife cannot be treated as an unmarried male for the purpose of the above rule.

5. CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE SHOWN IN APPENDIX II TO THE NOTIFICATION.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

6. Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination, will not be selected for training. A candidate who marries while in training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

7. A candidate for admission to the examination must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 18½ years on the first day of the month in which the course at the National Defence Academy is due to commence.

THE PRESCRIBED AGE LIMITS CAN IN NO CASE BE RELAXED.

8. A candidate must have passed one of the following examinations.

- (i) Higher Secondary Examination of a State Education Board or of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities Under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956;
- (ii) Pre-University Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India, or other educational Institutes, established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.
- (iii) Indian School Certificate Examination;
- (iv) Higher Secondary Examination of Shri Aurobindo International Centre of Education Pondicherry;

(v) First year examination of the Intermediate Course of a recognised Board of Education or a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India, or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956;

(vi) Rashtriya India Military College Diploma Examination.

(vii) I.A.F. Educational Test for promotion to the rank of Corporal conducted by Directorate of Education, Air Headquarters, New Delhi.

(viii) Qualifying Science Examination of Delhi University;

(ix) Passing out (Indian Navy) Examination conducted by Boys Training Establishment, Vishakhapatnam.

(x) 'Madhyama' Examination conducted by the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi.

(xi) National Form IV Examination conducted by the Examination Council of the Government of Tanzania.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than a date which may be fixed by the Union Public Service Commission in this regard.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

9. Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Service shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

10. Candidates who were admitted to an earlier course of the National Defence Academy but were removed therefrom for lack of officer like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

11. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

14. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Notification.

15. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

16. The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality, and those for the Air Force in Pilot Aptitude and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions, the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADE SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications

for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified a shaving qualified in Pilot Aptitude Test.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the test threat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the test given to them at the Services Selection Board, whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect. Candidates will not be admitted to the Services Selection Board interview without this certificate. Candidates when called for interview by a Services Selection Board or for medical examination or for subsequent training will be eligible for travelling allowance in accordance with the rules then in force. Candidates who have previously been before a Services Selection Board for the same type of Commission are not entitled to travelling allowance when called up for Services Selection Board interview or Medical Examination on subsequent occasions.

17. The form and manner of communication of the result of the examination in individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. Candidates finally selected will undergo a three-year course at the National Defence Academy. After this three year training the successful candidates will undergo further specialists training for the Service for which they may be selected. While at the National Defence Academy, cadets will be subjected to the discipline of the Academy. Brief particulars of the training and of the Services are given in Appendix III to the Notification.

20. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects:—

- (a) English
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore, advised not to neglect their studies after the competitive examination.

21. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign:

- (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

22. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 350.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant, National Defence Academy, KHARAKVASLA.

23. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there.

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month ..	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month ..	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00

24. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy.

(1) **PARSHURAM BHAI PAIWARDHAN Scholarship.**—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.**—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(3) **KUFR SINGH MEMORIAL Scholarship.**—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakvasla and thereafter at the Indian Military Academy Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institutions.

(4) **ASSAM GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) **KERALA GOVERNMENT Scholarship.**—One scholarship of the annual value of Rs. 360.00 is awarded for each course at the National Defence Academy during the entire period of training by KERALA State Government to the students who secure admission to the Academy after passing out from the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun and who have been domiciled in the State of KERALA. This scholarship is awarded to a cadet who is not eligible for Government of India assistance and whose parent or guardian has a monthly income below Rs. 500.00 per mensem.

(7) **BIHARI LAL MANDAKINI Prize.**—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) **ORISSA GOVERNMENT Scholarships.**—Three scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) **WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.**—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) **Category 1.**—Three scholarships (one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during the 1st and 2nd year and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarship at the Academy.

(b) **Category 2.**—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) **Pilot Officer GURMEET SINGH MEMORIAL Scholarship.**—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) **HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 40.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHARAKVASALA.

K. V. RAMANAMURTHI,
Dy. Secy.

APPENDIX I

1. The subjects of the written examination the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

Subject	Duration	Max. Marks.
1. English	3 hours	250
2. Mathematics—Paper I	2 hours	125
Paper II	2 hours	125
3. General Knowledge—Paper I (Science)	3 hours	200
Paper II (Social Studies, Current Events and Geography)	3 hours	200
		900

2. CANDIDATES ARE EXPECTED TO BE FAMILIAR WITH THE METRIC SYSTEM OF COINS, WEIGHTS AND MEASURES. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER, NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE USE OF METRIC SYSTEM OF COINS, WEIGHTS AND MEASURES MAY BE SET.

3. All question papers must be answered in English unless otherwise expressly stated in the question paper.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deductions up to 5 per cent of the maximum marks for written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidates' knowledge of grammar, idiom and usage. Passages will usually be set for summary or precis.

MATHEMATICS

Paper I

Arithmetic :

Number Systems—Natural numbers, Integers. Rational and real Numbers—Commutative, associative and distributive laws. Fundamental Operations—addition subtraction, multiplication and division. Square and cube roots. Decimal fractions.

Unitary method—applications to simple and compound interest, time and distance, time and work, profit and loss, ratio and proportion Races.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Multiples and factors. Factorisation theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms and their use.

Algebra :

Basic Operations : Simple factors. Remainder theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. Simultaneous equations in two unknowns. Linear simultaneous equations in three unknowns. Application of equations. Inequality. Graphs.

Set language, notation. Venn diagram, set operations, solution sets of linear equations (three unknowns)—application. Polynomials with rational coefficients. Division algorithm. Laws of indices. AP and GP. Geometric series. Recurring decimal fraction. Permutations and combinations. Binomial theorem for positive integral index. Application of binomial theorem.

Trigonometry :

Trigonometric ratios and identities. Trigonometric ratios of 30° , 45° , 60° and their use in elementary problems on heights and distances.

Paper II

Geometry :

Incidence Relations. Order relations in a line. Regions. Orientation in a plane. Pash's axiom. Reflection in a line and in a point. Translation. Rotation. Composition of reflections, translations and rotations. Slide reflections. Symmetry about a line symmetrical figures. Isometries. Invariants Congruence—direct and skew.

Theorems on : (i) Properties of angles at a point, (ii) parallel lines, (iii) sides and angles of triangles; (iv) congruency of triangles, (v) similar triangles, (vi) concurrence of medians, altitudes, perpendicular bisectors of sides and bisectors of angles of a triangle, (vii) properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rhombus, rectangle, square and trapezium, (viii) circle and its properties including tangents and normals, (ix) cyclic quadrilaterals (x) loci.

Practical problems and constructions involving use of geometrical instruments e.g. Bisection of an angle and segment of a straight line, construction of perpendiculars, parallel lines, triangles. Tangents of circles. Inscribed and circumscribed circles of triangles.

Calculus :

Functions. Graphs. Limit and Continuity. Differential coefficients of functions. Differentiation of elementary functions—polynomial, rational, trigonometric. Differentiation of a function. Differentials, Rates, Errors, Second order derivatives.

Integration as the inverse of differentiation. Standard formulae for integration. Integration by parts and substitution.

Mensuration

Areas of plane figures. Volumes and surfaces of Cubes, pyramids, right circular cylinders. Cones and spheres, (Practical problem involving these will be set and if necessary formulae will be given in the question paper).

Plane Co-ordinate Geometry :

Distance formula, section formula. Standard forms of the equation of a straight line. Angle between two lines. Conditions of parallelism and perpendicularity. Length of the perpendicular from a point to a line. Equation of a circle.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

Science

General knowledge Paper I will comprise the following :—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure; Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion, Force and Momentum, Parallelogram of Forces, Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat, Measurement of Temperature and Heat, Change of State and Latent Heat, Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear Propagation of Light, Reflection and refraction, Spherical Mirrors and Lenses, Human Eye.

Natural and Artificial Magnets, Properties of a Magnet, Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity, Conductors and Non-conductors, Ohm's Law, Simple Electrical Circuits, Heating, Lighting and Magnetic effects of Current, Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells, Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos, Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes, Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations, Laws of Chemical Combination (excluding problems), Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids; Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom, Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells, Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important Organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man, Constituent of food, Balanced Diet.

The Solar System, Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper questions on parts (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

Social Studies, Geography and Current Events

General Knowledge Paper II will comprise the following:—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movements in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India, Panchayat Raj, Cooperatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, Emotional Integration and Welfare State, Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance, Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Russian Revolution, Impact of Science and Technology on Society.

Concept of One World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism, Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size, Latitudes and Longitudes, Concept of Time, International Date Line, Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classifications; Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity, Condensation and Precipitation; Type, of Climate.

Major Natural Regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation, Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and Industrial activities.

Important Sea Ports and main sea land and air routes of India, Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including these connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDE LINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR

ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE

ACADEMY

To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty

2. It will however, be ensured that :—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development; serious malformation or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE :—A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes, or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation;

NOTE :—A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE :—A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser in Otolaryngology.

- (g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

NOTE :—Scars of operations for the removal of tuberculous glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat, palate tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;

NOTE :—Simple hypertrophy of the tonsils if there is no history of attacks of tonsillitis, is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or palpation;
- (l) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection;

NOTE.—In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—

- (i) one year has elapsed since the operation, documentary proof is to be furnished by the candidate;
- (ii) general tone of the abdominal musculature is good; and
- (iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connected with the operation.

(m) there is no hydrocele or definite varicocele or any other disease or defect of the genital organs;

NOTE.—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;

- (ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the External abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

(n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

(o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.

(p) there is no disease of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.

(q) there is no active, latent or congenital venereal disease;

(r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;

(s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence; and

(t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.

NOTE.—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and Chest measurements.

(a) Height.—(i) The height of candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of head level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetres will be ignored, 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cm. The mini-

imum height of Naval candidates from MANIPUR, ARUNACHAL PRADESH, MIZORAM, MIZORAM and TRIPURA may also be reduced by 5.0 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES.

Note.—Relaxation of height up to 2.5 cm. (5 cm. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) Air Force only.—To meet the special requirements for training as a pilot minimum height and leg length will be

Height	162.5 cm
Leg length Hip to Heel	99.0 cm.

NOTE.—On account of the lower age of candidates a margin of up to 5.0 cms in height and 2.5 cms in leg length may be given, provided it is certified by the Medical Board that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training at National Defence Academy.

(b) Weight.—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance.

Age period	15—16	16—17	17—18
Height (C.M.)	Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.3	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.0	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.5	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (± 6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to standards in the above table.

(c) Chest.—The chest should be well proportional and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidates chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored. 0.5 cm. will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

NOTE.—For Air Force and Navy, X-ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions

It should be ensured that a sufficient number of natural and round teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual, points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.

(i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd premolar and underdeveloped 3rd molar—1 point each.

(ii) 1st and 2nd molar and fully developed third molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;

(i) any four of the six anteriors.

(ii) any six of the ten posteriors.

(c) candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standards

(a) Visual acuity

Standard I

	Better eye	Worse eye
Distant	V-6/6	V-6/9
		Correctable to 6/6

Standard II

Distant Vision (corrected)	6/6	6/9
----------------------------	-----	-----

Myopia of not more than—2.5 D including astigmatism. (5 D in case of Navy)

Manifest Hypermetropia of not more than 0+3.5 D including astigmatism.

NOTE.—1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive myocetina.

3. Should possess good binocular vision. (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision.

—Inability to distinguishing primary colours will not be regarded as cause for rejection but the fact will be noted in the proceedings and the candidate informed.

(c) Requirement for Services :

ARMY-VS II (minimum Standard)

NAVY (i).—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards

may be released if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering Electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements :

Night vision Standard.—Only candidates, with suspected Xerophthalmia Pigmentary degeneration of the Chorio-Retina, abnormal Iris and pupillary conditions, who are otherwise fit in all respects will be subjected to detailed NVA test prior to accepting for service in the Navy. Those who fail to secure Grade II (eleven) (Della Casa—good/very good) will be rejected.

A certificate as under will be obtained from each candidate if he is not subjected to Della Casa test :—

"I hereby certify that to the best of my knowledge, there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it."

Signature of candidate

Countersignature of the Medical Officer

Colour Perception

Standard I MLT

(Martin Lantern Test)

Heterophoria

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :—

(a) At 6 metres—

Exophoria	8 prism dioptres
Esophoria	8 prism dioptres
Hyperphoria	1 prism dioptre

(b) At 30 cms—

Esophoria	16 prism dioptres
Exophoria	6 prism dioptres
Hyperphoria	1 prism dioptre

Limits of hypermetropia (Under homatropine)

	Better eye
Hypermetropia	1.50 dioptres
Simple Hypermetropic astigmatism	0.75 dioptre
Compound Hypermetropic astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.
	Worst eye
Hypermetropia	2.5 dioptres
Simple Hypermetropic astigmatism	1.5 dioptres
Compound Hypermetropic astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.
Binocular Vision.

The candidates must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eyes).

AIR FORCE (i) V.S.I. . . . No glasses will be worn.

(ii) Special requirements :

Manifest Hypermetropia must not exceed 2.25 D.

Ocular Muscle Balance :

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed

(a) at 6 metres	Exophoria	6	prism dioptres.
	Esophoria	6	prism dioptres.
	Hyperphoria	1	prism dioptre.
(b) at 33 cms.	Exophoria	16	prism dioptres.
	Esophoria	6	prism dioptres.
	Hyperphoria	1	prism dioptre.

Binocular vision.—Must possess good binocular vision fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception—Standard I MLT.

6. Hearing standard.

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken

(a) Speech Test

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609.5 cms. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric Record.

The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second (Audiometry reading between + 10 and -10).

APPENDIX III

Brief particulars of the Services are given below :—

TRAINING :

The selected candidates for the three Services viz., Army, Navy and Air Forces are given preliminary training, both academic and physical, for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The academic training imparted will be up to degree level in Science or Humanities as the case may be.

2. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehradun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets to Air Force Academy, Hyderabad.

3. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

4. The Naval cadets are selected for the Executive Engineering Electrical and Supply and Secretariat Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadets Training Ship for a period of six months, on successful completion of which, they are promoted to the rank of Midshipman. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

5. Air Force cadets receive flying training for a period of 14 years. It is proposed to train all cadets as Fighter Pilots. After successful completion of training they are commissioned as Pilot Officers and awarded flying badges. If a cadet shows

inadequate aptitude for flying, he may be permitted to revert to NDA as an Army/Navy cadet, or may be considered for Flying (Navigation) Branch or for training in Administrative Logistics branch where they are given training for a period of one year to 18 months on successful completion of which they are commissioned as Pilot Officers on probation in the concerned branches.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

6 ARMY OFFICERS

(i) Pay

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut.	750—790	Lt. Colonel	1800 fixed
		(time scale)	
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1250—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1650—1800	Maj General	2500—125/2-2750
Lt. Colonel	1800—1950	Lt. General	3000 pm
(By selection)			

(ii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

(a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.

(b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.

(c) Expatriation allowance. When Officers are serving outside India, expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held is admissible.

(d) Separation allowances, Married Officers, posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(iii) POSTING

Army Officers are liable to serve any where in India and abroad.

(iv) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Lt.	2 years of commissioned service.
Capt.	6 years of commissioned service.
Major	13 years of commissioned service.
Lt. Col. from Major	
if not promoted by selection	24 years of commissioned service.

By Selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service.
Col.	20 years of commissioned service.
Brigadier	23 years of commissioned service.
Maj. Gen.	25 years of commissioned service.
Lt. Gen.	28 years of commissioned service.
Gen.	No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years.
Major	5 years.
Lt. Colonel	6-1/2 years.
Colonel	8-1/2 years.
Brigadier	12 years.
Maj. General	20 years.
Lt. General	25 years.

7. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	
	General Service	Naval Aviation & Submarine
	Rs. p.m.	Rs. p.m.
Midshipman	560/-	560/-
Ag. Sub-Lieut.	750/-	825/-
Sub. Lieut.	830/870	910-950
Lieut.	1100-1450	1200-1550
Lieut. Cdr.	1550-1800	1650-1800
Cdr.	1800-1950	1800-1950
Captain	1950-2400	1950-2400
	Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain.	
	Rear Admiral—2500-125/2-2750.	
	Vice Admiral—3000/- p.m.	

Qualification pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of Cdr and below possessing certain prescribed qualifications, at the following rates :—

	Lower rates	Higher rates
Qualification pay	Rs. 70/-	Rs. 100/-
Qualification Grant	Rs. 1600/-	Rs. 2400/-

(ii) ALLOWANCES

Naval aviation Officers are entitled to Flying Bounty rates and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent Rank. In addition certain special concessions like hardy money, submarine allowance sub-marine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :

By Time Scale

Sub Lt.	1 year
Lt.	2 years (subject to gain/forfeiture of seniority)
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr.	24 years commissioned service (if not promoted by selection).
<i>By Selection</i>	
Cmdr. Executive Branch	2-8 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Supply & Secretariat Branch	4-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction.
Vice-Admiral	No restriction.

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an Officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

8. AIR FORCE OFFICERS

(i) Pay

Rank	Pay Scale
	Rs.
Plt. Offr.	825-865
Fg. Offr.	910-1030
Flt. Lt.	1300-1550
Sqn. Ldr.	1650-1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750-1950
Wg. Cdr. (Time Scale)	1800 (fixed)
Gp. Capt.	1950-2175
Air Cdre	2200-2400
Air Vice Marshal	2500-2750
Air Marshal	3000
Air Chief Marshal	As laid down by the Govt. from time to time.

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates :—

	Rs.
Plt. Offr. to Wg. Cdr.	375.00 p.m.
Gp. Capt. and Air Cdre	333.33 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

(iii) *Qualification Pay/grant*—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below :—

	Lower rate	Higher Rate
Qualification Pay	Rs. 70 p.m.	Rs. 100 p.m.
Qualification Grant	Rs. 1,600	Rs. 2,400

(iv) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	5 years commissioned service.
Sqn. Ldr.	11 years commissioned service.
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

By Selection

Wg. Cdr.	3 years service as substantive Sqn. Ldr.
Gp. Capt.	4 years service as substantive Wg. Cdr.
Air Commodore	3 years service as substantive Group Capt.
Air Vice Marshal	3 years service as substantive Air Commodore.
Air Marshal	2 years service as substantive Air Vice Marshal

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers :—

Flt. Lt.	2 years.
Sqn. Ldr.	5 years.
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp. Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain)
Air Vice Marshal	15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal	23 years.

*Inclusive of broken period.

9. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

10. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.